राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

डबल लाइट स्थिति क्या होती...!!!

ईश्वरीय महावाक्यों में हम अनेक बार सुनते हैं डबल लाइट होकर रहो। बहुत हल्के भिन्न-भिन्न शब्द आते हैं। सारे बोझ मुझे अर्पित कर दो और तुम हल्के हो जाओ। इस संसार में विचरण करते हुए तुम बेफिक्र बादशाह बन जाओ। विचार करेंगे, हमें भगवान साथ दे रहा है। वो हमारे बोझ हरने आ गया है। तो हम बोझ लिए क्यों घूम रहे हैं! क्यों नहीं उससे गहरा नाता जोड़कर मालिक उसे बना दें अपना। पतवार उसके हाथ में सौंप दें। बोझ उसको अर्पित कर दें। और बहुत हल्के रहकर अपनी आध्यात्मिक उन्नति करें। अपने सांसारिक कार्यों को पूर्ण करें। लोग देखें कि इनका भी कितना बड़ा बिज़नेस है लेकिन ये कितने मस्त रहते हैं। हल्के रहते हैं। कभी इनके चेहरे पर हमने टेंशन नहीं देखी। ये कितने खुशनसीब हैं। सचमुच ये बहुत भाग्यवान हैं। हमें तो छोटा-सा बिज़नेस है, फिर भी टेंशन रहती है। तो क्या ये डबल लाइट स्थिति है? कैसे हम हल्के होकर रहें?

डबल लाइट का डबल अर्थ। पहली स्थिति - मैं आत्मा लाइट, ज्योति स्वरूप, और मन भी हल्का। ये होगी डबल लाइट। दूसरा अर्थ - मैं आत्मा लाइट, ज्योति स्वरूप और शरीर भी लाइट का। अर्थात् फरिश्ता। मन हल्का हमारा रहेगा यदि हम आत्मिक स्वरूप में स्थित रहेंगे। जितना-जितना आत्मा का अभ्यास हमारा होगा, आत्मा के स्वरूप को देखना। स्थित होने का अर्थ होता है उसपर स्थिर हो जाना। आत्मिक स्वरूप पर बुद्धि को स्थिर कर दो। स्थिति बनती जायेगी। मन हल्का रहने लगेगा। क्योंकि मन बहुत पॉवरफुल हो जायेगा। और जब मन पॉवरफुल होता है तो उसको सारी बातें हल्की लगती हैं। इट्स नथिंग, ये तो खेल है। जैसे कोई पॉवरफुल व्यक्ति हो और उसको दौड़ना, भागना, कुश्ती करना, बॉक्सिंग करना ये तो खेल होता है ना उसके लिए, एन्जॉयमेंट होता है। कमज़ोर व्यक्ति हो कोई उसको एक मार दे तो वो गिर जायेगा, बीमार हो जायेगा। तो आत्मा, आत्मिक स्वरूप में स्थित रहने से पॉवरफुल होगी। और तत्पश्चात् बहुत हल्की रहने लगेगी। मन हल्का हो जायेगा।

जितने अनुभव बढ़ेंगे, अनुभवों से विश्वास बढ़ता है। जब हमें दिखाई देगा कि शिव बाबा को सारे बोझ देने से कैसे उसने कार्यों को सफल कर दिया। देर लगी, उसे हम स्वीकार कर लेंगे। तो अनुभव हमारे आत्म विश्वास को बढ़ायेंगे, बाबा में भी विश्वास को बढ़ायेंगे।

कोई बात यदि मन को बोझिल करती है तो उसको हल्का करने के कई तरीके हैं। अपने में विश्वास रखने से मन बहुत हल्का रहने लगेगा। जब किसी मनुष्य को विश्वास होता है कि हम ये काम बहुत आसानी से कर लेंगे, तो तनावमुक्त रहेंगे ना। और अगर पहले ही लगे कि काम बहुत है, हमारी सामर्थ्य कम है तो पहले से ही भारी हो जायेगा, तनावग्रस्त हो जायेगा। तो अपने में विश्वास। हम ये काम करेंगे, हम ये पुरूषार्थ कर लेंगे। हमारा ये कार्य सफल हो जायेगा।

दूसरी बात भगवान मुझे साथ दे रहा है, इसमें विश्वास। बहुत सुन्दर बात है। बार-बार अपने को याद दिलाओ। एक दिन में नहीं होगा, बार-बार याद दिलाते चलना है। स्वयं सर्वशक्तिवान मेरा साथी है। जो विश्वकल्याणकारी है वो मेरा साथी है। मेरा कल्याण ही होगा, उसने वचन दे दिया है। बोझ मुझको अर्पित कर दो, सबकुछ ठीक हो जायेगा, करते चलें। जितने अनुभव बढ़ेंगे, अनुभवों से विश्वास बढ़ता है। जब हमें दिखाई देगा कि शिव बाबा को सारे बोझ देने से कैसे उसने कार्यों को सफल कर दिया। देर लगी, उसे हम स्वीकार कर लेंगे। तो अनुभव हमारे आत्म विश्वास को बढ़ायेंगे, बाबा में भी विश्वास को बढ़ायेंगे।

तीसरी चीज़ जो हमें बहुत हल्की रखती है। वो है ये ज्ञान, बहुत सुन्दर ये ज्ञान हमें मिला है ना। विश्व ड्रामा का ज्ञान मिला है। क्या हुआ है, क्या होने जा रहा है, तो हम परेशान नहीं हों कि ये क्यों हो रहा है! क्योंकि जो कुछ हो रहा है वो ही तो होना है। उसको कोई चेंज कर ही नहीं सकता। बनी बनाई बन रही। इन सब चीज़ों पर चिंतन करते रहेंगे तो मन बहुत हल्का रहेगा। तो हमें बेफिक्र बादशाह बनना है। हम लम्बे समय हल्के रहने का अभ्यास करें और याद रखेंगे जो स्वयं बहुत हल्के रहेंगे उनकी बीमारियां भी हल्की हो जायेंगी।

- क्रमशः

बलिया-उ.प्र.। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा 'शिव जयंती रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ करते हुए पूर्व मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल व स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उमा। साथ हैं ब्र.कु. कुसुम,सिकन्दरपुर, ब्र.कु. सुरेश तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

पटना सिटी-बिहार। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में शोभायात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. उदय कुमार, पटना सिटी पंचवटी कॉलोनी की संचालिका ब्र.कु. रानी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

मुंगरा-ओडिशा । ब्रह्मा बाबा के 56वें पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में एस.एच.ओ. विनोद मिश्रा, ब्र.कु. अनीता बहन तथा अन्य।

पटियाला-पंजाब। मेयर कुंदन गोगिया को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मनीषा, ब्र.कु. शांता, ब्र.कु. पूजा एवं ब्र.कु. शालू।

कृष्णा नगर-दिल्ली। एल.आई.सी. ब्रांच,गीता कॉलोनी में ब्रांच मैनेजर विवेक गुप्ता व सभी कर्मचारियों को परमपिता परमात्मा शिव का परिचय व स्ट्रेस मैनेजमेंट पर मार्गदर्शन करते हुए ब्र.कु. अनु।

ओरे गाँव-आबू रोड(राज.)। शिव जयंती कार्यक्रम में मंचासीन हैं माली समाज के अध्यक्ष मोतीलाल माली, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. देव तथा अन्य।

ऊपर से नीचे

1. नवयुग में हर वस्तु नई अर्थात् ..... गोल्डन एज वाली होगी।(5)
2. छोटे-छोटे बच्चे ताजधारी बनके बैठे हैं। आपको तो ..... मिलेगा, इन्हों को अभी मिल गया है। (2)
3. नव युग में आत्मा भी नये ..... (शरीर) धारण करेगी।(2)
4. बापदादा टीचर्स को देखकर बहुत ..... होता है। (2)
7. बापदादा ..... निवासियों को सदा नम्बरवन दृष्टि से देखते हैं।(4)
8. यह ..... गुरू जो गाया हुआ है, वह सच्चा पार्ट आप मातायें बजायेंगी। (2)
10. देश, विदेश में ..... के साधन द्वारा सुन रहे हैं, देख रहे हैं, बापदादा भी सभी को देख रहे हैं। (3)
12. शूर, योद्धा, बहादुर(2)
14. विजय, जय(2)
15. वरदाता ही साथ में हैं तो वरदान क्या बड़ी ..... है।(2)
16. एकाउन्ट में कितना माथा लगाना पड़ता है। लगाना पड़ता है ना? थक जाते हैं। बापदादा को मालूम पड़ता है, हो जायेगी .....।(3)
17. बापदादा को सदा ..... रहता है और निश्चिंत रहते हैं कि हॉस्पिटल अनेक आत्माओं को ब्राह्मण जीवन में लायेगी। (3)
18. इस ब्राह्मण जीवन की श्रेष्ठता का आधार है- संकल्प का खजाना, समय का खजाना, शक्तियों का खजाना, ज्ञान का खजाना, बाकी ..... धन का खजाना तो कॉमन है। (2)
19. जब ..... का साधन रॉकेट, दूर बैठे जहाँ चाहे, जब चाहे, जिस स्थान पर पहुँचाने चाहे, एक सेकण्ड में पहुँचा सकते हैं। आपके शुभ श्रेष्ठ संकल्प के आगे यह रॉकेट क्या है! (3)
20. सच्चे ..... की मुबारक है- एक - दो के प्रति ..... से शुभ भावना, शुभ कामना की मुबारक। (2)

अव्यक्त मुरली 31-12-2001 (पहेली-13)2024 -25

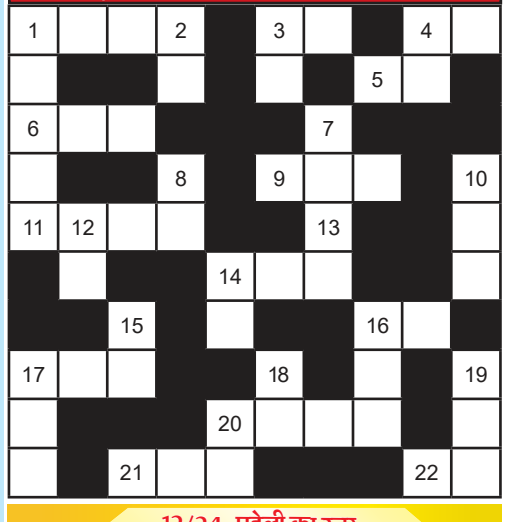

12/24- पहेली का उत्तर

(अव्यक्त मुरली 15-12-2001)

ऊपर से नीचेः 1. एकमत, 2. ताज, 3. परिवार, 4. तालाब, 7. डर, 8. अलौकिक, 9. दुआयें, 10. धारणा, 11. वरदानी, 12. चलन, 17. रहम, 18. जमा। बायें से दायेंः 1. एकव्रता, 3. पवित्रता, 5. मन, 6. सेवा, 7. डबल, 8. अन्य, 10. धागा, 13. आधार, 14. कमल, 15. दादी, 16. नये, 19. सहज, 20. समान, 21. मकान।

बायें से दायें

1. बापदादा प्रत्यक्षता वर्ष के पहले इस वर्ष को "..... भव का वर्ष" कहते हैं। ..... का आधार हर खजाने को सफल करना।(4)
3. तो इस ..... में एक-एक, एक वारिस निकाले, फिर बापदादा वारिसों की माला बनायेंगे। (2)
4. नव युग की ..... हर बच्चे के अन्दर है। जानते हो कि नव युग अभी आया कि आया।(2)
5. उत्साह, साहस, उमंग।(2)
6. हर एक अपने कार्य के ..... अपना प्लैन बनावे, जो भी ब्राह्मण जीवन में खजाने मिले हैं, उस हर एक खजाने की बचत वा जमा का खाता बढ़ाओ। (3)
9. आर्कषक, सुगंधित, सुहावना। (3)
11. हर एक ने अपना ..... का प्लैन बनाया है या अभी सिर्फ नया वर्ष मना लेंगे? मिलन मनाया, नया वर्ष मनाया, ...का क्या प्लैन बनाया?(4)
14. अभी अपने इस ब्राह्मण ..... में अमृतवेले से लेकर रात तक बचत का खाता बढ़ाओ, जमा का खाता बढ़ाओ।(3)
16. माह, महीना।(2)
17. बापदादा को सदा ..... रहते हैं कि हॉस्पिटल अनेक आत्माओं का ब्राह्मण जीवन में लायेगी।(3)
20. कुछ भी हो जाए दिल बड़ी रखो। दिलशिकस्त छोटी दिल होती है। ..... बड़ी दिल होती है।(4)
21. यह सिन्धी परिवार बोलो, क्या ..... करेंगे? निमित्त मात्र सिन्धी हैं लेकिन है ब्राह्मण।(3)
22. बापदादा के ..... प्रकृति भी आती है कहने के लिए कि मैं एवररेडी हूँ। (2)